(c) the extent of administrative and tech nical control to be exercised by Govern ment directly and through the State agen cies;

(d) the guidelines laid down for con ducting such audit and its scope; and

(e) the punitive action contemplated in case of violations?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORSTS (SHRI KAMAL NATH): (a) to (e) Schemes for voluntary disclosure and environmental audit are under consideration.

मध्य प्रदेश में वन क्षेत्र

1889. **श्री शिव प्रसाद चनपुरिया :** क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश में ऐसा कितना वन क्षेत्र हैं जहां तालौन के वृक्ष सूखा रोग से प्रभावित हैं ;

(ख) इसके परिणाम स्वरूप बहु-मूल्य सागौन के कितने वृक्षों को क्षति पहुंची है ; और

(ग) करोड़ों रुपये की वन-सम्पदा को विनाश से बचाने तथा पर्यावरण को प्रदूषित होने से रोकने के लिए इस रोग पर नियंत्रण पाने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए गए हैं ।

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कमल नाथ) : (क) राज्य सरकार से सूखा रोग से गम्भीर आक्रमण की कोई रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है।

(ख) और (ग) प्रश्न नहीं उठता ।

"रणथम्भौर टाइगर प्रोजेक्ट" को दी गई धनराशि की लेखा परीक्षा

1890. **डा० अबरार अहमद :** क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केन्द्रीय सरकार द्वारा पिछले तीन वर्षों के दौरान रणथम्भौर टाइगर प्रोजेक्ट, सवाई माधोपुर को दी गई धनराशि की लेखा परीक्षाओं द्वारा की गई लेखा परीक्षा में उठाई गई आपत्तियों को अब तक दूर कर दिया गया है ; यदि नहीं, तो उन आपत्तियों का, जिन्हें दूर नहीं किया गया है, ब्यौरा क्या है तथा इनके लिए उत्तरदायी लोगों का ब्यौरा क्या है ; तथा क्या इस संबंध में किसी व्यक्ति के खिलाफ कोई कार्यवाही की गई है ; यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ;

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान रणथम्भौर टाइगर प्रोजेक्ट को अपने आंतरिक स्रोतों से हुई आय का ब्यौरा क्या है, तथा क्या उसकी लेखा परीक्षा हो गई है ; यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ; और

(ग) क्या केन्द्रीय सरकार द्वारा दी गई धनराशि को उसी मद पर खर्च किया गया है जिसके लिए वह दी गई थी ?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कमल नाथ): (क) जी, नहीं । लेखापरीक्षा महालेखाकार, राजस्थान के लेखा-परीक्षकों और प्रधान मुख्य वन संरक्षक तथा मुख्य वन संरक्षक, राजस्थान के कार्यालय की आंतरिक लेखा परीक्षा पार्टी द्वारा की गई थी । पिछले तीन वर्षों के दौरान केन्द्रीय सरकार द्वारा दी गई धनराशि की लेखापरीक्षा करने पर उठाई गई आपत्तियों के ब्यौरे जिनको अभी तक दूर नहीं किया गया है, इस प्रकार हैं :—